बाबा गुरबचन का सन्तो ये उपकार है।
मानव एकता का जग में किया प्रचार है।
हर घड़ी हर लम्हा -2

दुनिया के हर कोने में येआवाज दी।
राजमाता कुलवंत जी उनके साथ थी।
दोनों ने प्यार अमन सदा चाहा था ।
अपना हर सपना करके देखा साकार है ,मानव एकता का....

उनके बाद हरदेव जी चल पड़े थे।
पूज्य माता जी उनके पीछे खड़े थे ।
सारे विश्व में मानव एकता का संदेश दिया ।
हाथों हाथ सब ने लिया उनका उपहार है ,मानव एकता का...

उनकी राहों पर चले सतगुरु सुदीक्षा।
ये भी लाएंगे सारी दुनिया में एकता ।
'बाबू विजय ' इनके कर्म से होगा अमन ।
टूटेगी नफरतों की हर एक दीवार है ,मानव एकता का....

तर्ज ले तो आए हो हमें

12:17 pm